Eklavya University
Damoh (M.P.)

Bachelor of Social Work

(BSW Semester – I&II)

NEP2020

Curriculum

(2023-2024)

VISION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

एकलव्य विश्वविद्यालय सीखने के माध्यम से जीवन और समाज के उन्नयन हेतु संकल्पित है।

MISSION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

- मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा आदर्श जीवन, आजीविका और उद्योग को पोषित करना।
- अनुसंधान और विषय के गूढ़ ज्ञान हेतु शिक्षा को व्यावहारिक बनाना।
- सामाजिक एवं तकनीकी कौशल के माध्यम से छात्रों को रोजगार हेतु तैयार करना।
- पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली में निहित ज्ञान की समग्र शिक्षा प्रदान कर छात्रों को उन्नत जीवन एवं रोजगार के लिए तैयार करना।
- अनुसंधान और रचनात्मक परीक्षण के माध्यम से ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना।
- शिक्षा; अनुसंधान और नवाचारों में उत्कृष्टता एवं प्रबंधन के लिए प्रतिबद्धता के साथ शिक्षा को प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में लाना।
- छात्रों में व्यवहारिक एवं नैतिक शिक्षा के माध्यम से समस्या समाधान कौशल, सामुदायिक नेतृत्व कौशल एवं सामूहिक सामाजिक सेवा कार्य के लिए प्रतिबद्ध करना।
- समान अवसर एवं रोजगार को दृष्टि में रखकर छात्रों को आर्थिक सशक्तीकरण की ओर अग्रसर करना।
- शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से व्यक्ति की जीवन शैली और पद्धति को समुन्नत करना।

VISION STATEMENT OF DEPARTMENT

- **शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के द्वारा मानव जीवन को उन्नत करने हेतु समर्पित।**

MISSION STATEMENT OF DEPARTMENT

- समाजकार्य की शिक्षा में उत्कृष्टता एवं विविधता में वृद्धि करना।
- समाजकार्य के व्यावहारिक व सैद्धांतिक ज्ञान को सभी के लिए सुलभ कराना।
- समाजकार्य को समयानुकूलन के साथ प्रासंगिक बनाना।

PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

- समाजकार्य में स्नातक BSW के उपरान्त छात्रों को शोध के लिए अवसर प्राप्त होंगे।
- समाजकार्य के विशिष्ट ज्ञान से महत्वपूर्ण एवं तुलनात्मक शोध को प्रोत्साहन मिलेगा।
- समाजकार्य में किया गया अध्ययन एवं स्वयं के द्वारा किये गए शोध – अन्वेषण से स्वयं के बौद्धिक स्तर को राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय और सामाजिक – आध्यात्मिक पटल पर स्थापित कर सकेगा।

PROGRAMME OUTCOMES (POs)

- समाजकार्य में स्नातक (बीएसडब्ल्यू) अध्ययन से छात्रों में व्यवसाय के क्षेत्र में विशिष्ट ज्ञान अर्जित कर सामाजिक एवं मानव समस्याओं के समाधान करने हेतु संवेदनशीलता तथा समझ विकसित होगी।
- समाजकार्य में स्नातक होने से छात्रों में सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और उनसे संबंधित विषयों की सोच विकसित एवं पल्लवित होगी।
- यह कार्यक्रम छात्रों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने एवं शोध कार्य करने के लिए प्रेरणा प्रदान करेगा।
- समाजकार्य में स्नातक करने के उपरान्त छात्र एमएसडब्ल्यू, पी–एच.डी. आदि उपाधियां प्राप्त कर उस ज्ञान से विशिष्ट मुद्दों का समाधान एवं नवाचार कर सकेगें।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

- समाजकार्य का पर्याप्त ज्ञान अर्जित करना।
- समाजकार्य से समाज की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी।
- समाजकार्य से आर्थिक, सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों का विकास संभव है।
- समाजकार्य में समूह कार्य, ग्रन्थ संपादन कौशल, लेखन–वाचन–श्रवण आदि विधाओं में पारंगत होना।

Semester - I

Course code	Introduction to Professional Social Work (Paper –1)/Major/Minor	L	T	P	C
23AISOWK1T	वृत्तिक समाजकार्य का परिचय (प्रश्न पत्र – 1)/मेजर/माईनर				06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – I

Level - 05

Course Objectives: (CO)

1. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. छात्र के दैनिक जीवन में समाजकार्य का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
3. विषय छात्रों की शब्दावली और वैज्ञानिक स्वभाव को संबद्ध करने में योगदान देगा।
4. इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को समाजकार्य विषय से संबंधित रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलेगी।

Course Learning Outcome: (CLO)

1. समाजकार्य की विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. विद्यार्थी समाजकार्य से समाज की समस्याए समझने में सक्षम होगे।
3. समाज कार्य की मूलभूत अवधारणाओं को समझने में सक्षम होंगे।
4. समाजकार्य सीखना समाज को प्रभावित करने वाले कई कारकों की समझ हासिल करने में मदद करेगा।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. समाज कल्याण से संबंधित विभिन्न शब्दावलियों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे।
2. छात्रों में कौशल एवं अनुकूलन की सोच विकसित होगी।
3. समाजकार्य से जरूरतमंद लोगों की समस्या को समझने में आसानी होगी।
4. समाज कार्य को एक व्यवसाय के रूप में समझकर अपना पाएंगे।

Unit – 1 समाजकार्य का वैचारिक परिप्रेक्ष्य — **15**

1. समाज कार्य – अर्थ एवं परिभाषा।
2. समाजकार्य की विशेषताएँ।
3. समाजकार्य का दर्शन।
4. समाजकार्य के उद्देश्य।
5. समाजकार्य का क्षेत्र – बाल महिला एवं परिवार कल्याण
6. वृत्तिक समाजकार्य की मौलिक मान्यतायें एवं भ्रान्तियां

Conceptual Perspective of Social Work

1. Social Work- Meaning and Definition.
2. Characteristics of Social Work.
3. Philosophy of Social Work.
4. Objectives of Social Work.
5. Basic Assumptions and Misconceptions regarding Social Work Profession.

Unit – 2 समाजकार्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि — **15**

1. इंग्लैण्ड में समाजकार्य का इतिहास।
2. अमेरिकी में समाजकार्य का इतिहास।
3. भारत में समाजकार्य का इतिहास।

Ashishay

Historical Background of Social Work 1. History of Social Work in England. 2. History of Social Work in U.S.A. 3. History of Social Work in India.	
Unit – 3 समाज कल्याण की मूल शब्दावलियां	**15**
1. समाज कल्याण – अर्थ एवं परिभाषा। 2. समाज कल्याण के उद्देश्य। 3. संबंधित शब्दावली : समाज कल्याण, समाज कल्याण सेवा, समाज सेवा, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुधार, सामाजिक प्रतिरक्षा, सामाजिक नीति, समाजकल्याण संस्थाए : शासकीय एवं अशासकीय संस्थाए।	
Basics of Social Welfare 1. Social Welfare – Meaning and Definition. 2. Objectives of Social Welfare. 3. Related Terms: Social Welfare, Social Welfare Services, Social Services, Social Security, Social Reform, Social Defense, Social Policy, And Social Welfare Agency: GOs & NGOs.	
Unit – 4 वृत्तिक कार्य के रूप में समाजकार्य	**15**
1. वृत्तिक कार्य का अर्थ और परिभाषा। 2. वृत्तिक कार्य के रूप में समाजकार्य का अर्थ और विशेषताएं। 3. वृत्तिक समाजकार्य : आचार संहिता। 4. वृत्तिक समाजकार्य के सिद्धांत एवं मूल्य। 5. वृत्तिक समाजकार्य के तकनीक एवं निपुणताएं। 6. समाजकार्य की विधियाँ।	
Social Work as Profession 1. Meaning and Definition of Profession. 2. Social Work as Profession: Meaning and Characteristics. 3. Professional Social Work: Code of Ethics. 4. Principles & Values of Professional Social Work. 5. Skills and Techniques of Social Work. 6. Methods of Social Work.	
Unit – 5 वृत्तिक समाजकार्य की स्थिति	**15**
1. समाजकार्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध। 2. वैश्वीकरण एवं समाजकार्य। 3. विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका एवं कार्य। 4. समाजकार्य में व्यावसायिक संघ की भूमिका। 5. भारत में समाजकार्य शिक्षा की स्थिति एवं चुनौतियाँ। 6. भारत में व्यावसायीकरण की समस्याएं समाजकार्य के विशेष सन्दर्भ में।	

Status of Professional Social Work 1. Relation of Social Work with Other Social Sciences. 2. Globalization and Social Work. 3. Role & Functions of Social Worker in Different Fields. 4. Role of Professional Associations in Social Work. 5. Status and Challenges of Social Work Education in India. 6. Challenges of Professionalization in India with reference to Social Work.	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैगः समाजकार्य, समाजकार्य का इतिहास, समाज कल्याण, समाजकार्य व्यवसाय।		
# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text Book(s) / Reference Books		

1. तिलारा कुँवरसिंह, समाजकार्य सिद्धांत और व्यवहार, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ।
2. सचदेवा डी.आर, भारत में समाज कल्याण प्रशासन, किताब महल, इलाहाबाद।
3. शास्त्री राजाराम, समाजकार्य, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ।
4. मदन जी.आर., समाजकार्य, विवेक प्रकाशन दिल्ली।
5. कुमार गिरीश, समाजकार्य के क्षेत्र, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास आयोग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
6. पाण्डेय बालेश्वर, शुक्ल भारती, समाज कार्य एक समग्र दृष्टि, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानवसंसाधन विकास आयोग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
7. पाण्डेय बालेश्वर, समाजकार्य : सिद्धांत एवं पद्धतियाँ, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
8. सिंह सुरेन्द्र, मिश्रा पी.डी., समाजकार्य : इतिहास दर्शन प्रणालियाँ, न्यू रॉयल बुक कम्पनी।
9. मिश्र डॉ. पी.डी. सामाजिक व्यक्तिक सेवा कार्य उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ
10. श्याम बिहारी सिंह बाल व्यवहार व्यतिक्रम उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ
11. Dasgupta Sugata, Towards a Philosophy of Social Work in India.
12. Fridlander W.A. Introduction to Social Welfare, New York, Prentice, Hall, 1955.
13. Gore MS, Social Work and Social Work Education.
14. Mishra PD, Social Work: Philosophy and Methods, Inter India Publications, New Delhi, 2005.
15. Sachdeva, Bharat Me Samaj Kalyan Prashasan, KitabMahal, Allahabad, 2010.
16. Shastri Rajaram, Samaj Kary, Uttar Pradesh Hindi Snasthan, Lucknow.
17. Titus Richard M- Commitment to Welfare, Ruskin House, London.

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण· अधिकतम अकः 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 60

आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार / प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंकः 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

Semester - II

Course code	Introduction to Contemporary Indian Society Paper- II/Major/Minor/Practical	L	T	P	C
23A1SOWK2T	समकालीन भारतीय समाज का परिचय (प्रश्न पत्र 2) / मेजर / माईनर / प्रेक्टिकल				06
Pre-requisite	**Nil**	**Syllabus version**			
	90 Hours	**60**			

Semester – II

Level - 05

Course Objectives: (CO)

- विषय की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में समाजकार्य विषय के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- विषय में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
- अध्ययन विषय के रूप में समाजकार्य की आधारभूत अवधारणाओं का ज्ञान प्राप्त करना।

Course Learning Outcome: (CLO)

- समाजकार्य की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- समाजकार्य दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
- समाज की इकाइयों की पहचान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में विषय कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- विषय के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- सामाजिक समूह और सामाजिक संस्थाओं की मूल बातें जानेंगे।
- सामाजिक व्यवस्था की अवधारणाओं को समझेंगे।
- समाज के अनिवार्य तत्वों को सीखेंगे।
- भारतीय समाज के वैचारिक परिप्रेक्ष्य को समझने के लिए सक्षम होंगे।

Unit – 1 समाज का वैचारिक परिप्रेक्ष्य — **15**

1. समाज : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, प्रकार, कार्य।
2. समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : वैदिक काल, मुगलकाल, आधुनिक काल
3. भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय रूपरेखा।
4. समाज के सिद्धांत।

Ideological perspective of society

1- Society: Meaning, Definition, Nature, Types, Functions.
2- Historical background of the society: Vedic period, Mughal period, modern period
3- Demographic profile of Indian society.
4- Principles of society.

Unit – 2 सामाजिक समूह और सामाजिक संस्थाओं के मूल तत्व — **15**

1. सामाजिक समूह : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, महत्व।
2. समूह के प्रकार : प्राथमिक समूह, द्वितीयक समूह, संदर्भ समूह।
3. सामाजिक संस्था : अर्थ परिभाषा, विशेषताएं, महत्व।
4. सामाजिक संस्थाएं : परिवार, विवाह, शिक्षा, धर्म, संपत्ति।

Fundamentals of Social Groups and Social Institutions

1- Social Group: Meaning, Definition, Characteristics, Significance.

2- Types of groups: Primary group, secondary group, reference group. 3- Social Institution: Meaning Definition, Characteristics, Significance. 4- Social institutions: family, marriage, education, religion, property.	
Unit – 3 समाज की इकाइयाँ	**15**
1. सामाजिक प्रतिमान : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं एवं समाज में भूमिका। 2. सामाजिक प्रतिमानों का वर्गीकरण : संस्कृति, परंपराएं, लोकरीति, प्रथाएँ, लोकाचार। 3. समुदाय : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व। 4. सामाजिक संगठन : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व।	
Units of society 1- Social Paradigm: Meaning, Definition, Characteristics and Role in Society. 2- Classification of social norms: culture, traditions, folklore, practices, ethos. 3- Community: Meaning, Definition, Characteristics and Significance 4- Social Organization: Meaning, Definition, Characteristics and Importance.	
Unit – 4 सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा	**15**
1. सामाजिक स्तरीकरण : अवधारणा महत्व एवं स्वरूप। 2. प्रस्थिति और भूमिकाएं : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व। 3. जाति, वर्ग, नस्ल, सामाजिक गतिशीलता : अर्थ, परिभाषा, विशेषता एवं समाज में भूमिका। 4. सामाजिक संरचना : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ। 5. सामाजिक व्यवस्था : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, संरचना एवं कार्य	
Concept of social order 1- Social stratification: concept, significance and form. 2- Status and Roles: Meaning, Definition, Characteristics and Significance. 3- Caste, Class, Race, Social Mobility: Meaning, Definition, Characteristics and Role in Society. 4- Social structure: meaning, definition, characteristics. 5- Social System: Meaning, Definition, Characteristics, Structure and Functions	
Unit – 5 समाज की अनिवार्यताएँ	**15**
1. सामाजिक प्रक्रिया : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व। 2. सामाजिक प्रक्रिया के स्वरूप : समायोजन सत्मीकरण 1, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष : सहयोग 3. सामाजिक नियंत्रण : 1 माध्यम एवं प्रकार, अवधारणा 4. सामाजिक परिवर्तन विशेषताएं, परिभाषा, अर्थ : विशेषताएँ, प्रकार। 5. समाजीकरण, पश्चिमीकरण, संस्कृतिकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण निजीकरण। 6. राज्य : भूमिका एवं कार्य, तत्व, अर्थ 7. कल्याणकारी राज्य की अवधारणा एवं प्रजातंत्र का वर्तमान स्वरूप।	
Essentials of society 1- Social Process: Meaning, Definition, Characteristics and Significance. 2- Forms of social process: adjustment reconciliation 1, competition, conflict: cooperation 3- Social Control: 1 Medium and Type, Concept 4- Social Change Characteristics, Definition, Meaning: Characteristics, Types. 5- Socialization, Westernization, Culturalization, Liberalization, Globalization, Modernization, Privatization. 6- State: Role and function, elements, meaning	

7- The concept of welfare state and the present form of democracy.
Course Code- AISOWK-1P **Practical**
प्रथम वर्ष के फील्ड कार्य पाठ्यक्रम की शुरूआत में छात्र, सामाजिक कल्याणकारी संस्थाओं में संचालित विभिन्न गतिविधियों के प्रति व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु छात्रों द्वारा उन्मुखीकरण भ्रमण किया जायेगा। भ्रमण में किये गये अवलोकन का रिपोर्ट लेखन करना होगा। छात्र को पूरे वर्ष के दौरान कम से कम पांच उन्मुखीकरण भ्रमण करना होगा और संगठनों के कार्यक्रमों के बारे में बुनियादी समझ विकसित करनी होगी। उन्मुखीकरण भ्रमण किसी भी सामाजिक कार्य/कल्याण संगठन जैसे गैर सरकारी संगठन, आंगनबाड़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, लघु उद्योग, पुलिस स्टेशन, मानवाधिकार संगठन, श्रम संगठन, पुनर्वास केंद्र आदि में किया जा सकता है। इन क्षेत्रीय उन्मुखीकरण भ्रमणों का बाह्य परीक्षक, जो समाजकार्य विषय विषेषक हो के द्वारा आकलन करने की अनिवार्यता होगी।
the beginning of the course in the first year practical exposure in limited to orientation visits by the students. This will comprises of observation visit and report writing. The student has to make minimum five visits during the entire year and develop basic understanding about working of organizations. This will be a general visit to any Social Work/Welfare Organization such as, Non-Governmental Organizations, Aanganwadi, Primary health center, Small Scale industries, Police stations, Human-rights organization, Labor organization, Rehabilitation Centers, etc. After submission of the report External Viva will be compulsory to assess the Field Work performance.

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : समाज, सामाजिक समूह, सामाजिक संस्थाएं, समुदाय, सामाजिक संगठन, सामाजिक संरचना, सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक परिवर्तन।		
Text Book(s) / Reference Books		
1. मुखर्जी रविन्द्रनाथ, भारत में सामाजिक परिवर्तन, विवेक प्रकाशन, दिल्ली। 2. गुप्ता एवं शर्मा, समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, दिल्ली। 3. अग्रवाल गोपाल कृष्ण, भारतीय सामाजिक संस्थाएं, आगरा बुक स्टोर, आगरा। 4. गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. भारतीय समाज एवं सामाजिक संस्थाएं, साहित्य भवन, आगरा। 5. Ahuja Ram : Social Problems in India (Jaipur, Rawat Publication 1992) 6. Bhusan, Vidya & Sachdev, (2006), an Introduction to Sociology. Allahabad, Kitab Mahal. 7. Davis K : Manav Samaj (Allahabad: Kitab Mahal-1973) 8. Gupta ML : Samaj Shastra (Agra : Sahitya Bhavan Publication,2010) 9. Harry. M. Johns, (1993). Sociology: A systematic introduction. Chennai: Allied Publication 10. Horton, P.S. & Hunt, C.L. (2005). Sociology. New Delhi: Tata McGraw Hill 11. Johnson HM: Sociology A Systematic Introduction (Bombay : Allied Publishers,) 12. Mac Iver and Page : Society – An Introductory Analysis (London-Mac Miller 1955) 13. Madan, GR : Indian Social problem, Vol. 1 and 2 14. Shankar Rao CN: Sociology (S Chand & Company, New Delhi 2006)		

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण, अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार / प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंक 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग द – आकलन एवं मूल्यांकन			
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : 1. क्षेत्रीय उन्मुखीकरण भ्रमणों की रिपोर्ट 50 अंक। 2. मौखिक परीक्षा (बाह्यय परीक्षक) 50 अंक।			
आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्यय मूल्यांकन	अंक
कोई टिप्पणी / सुझाव :			